सबको देती है मईया

*सबको देती है मईया, अपने ख़ज़ाने से ।
किसी को किसी बहाने से, xll -ll

डूब रही बनिए की नईया, "रो रो मात पुकारे" ।
धन दौलत परिवार भवानी, "सब हैं तेरे सहारे" ॥
बनिए की नईया को दाती, पल में पार लगाया,
पहुँच किनारे बनिए ने फिर, यह जैकारा लगाया,
शेरांवाली माता तेरी सदा ही जय,
ज्योतांवाली माता तेरी सदा ही जय ।
*मुक्ति मिल जाती है दर पे, शीश झुकाने से,,,
किसी को किसी बहाने से, xll -ll

भरी सभा में बोले अकबर, "सुनो हे भक्त ध्यानू " ।
इस घोड़े को जिन्दा कर दो "तब मैं माँ को मानू" ॥
सुन पुकार ध्यानू की माँ ने, जिन्दा कर दिया घोडा,
हाथ जोड़कर भक्त ने फिर, माँ का जैकारा छोड़ा,
*सब कुछ मिल जाता है माँ संग, लो लगाने से,,,
(*सबको देती है मईया, अपने ख़ज़ाने से)
किसी को किसी बहाने से, xll -ll

सुन पुकार नरसी की "भगवन, दौड़े दौड़े आए" ।
देख के हालत दीन हीन की, "प्रभु भी थे घबराए" ॥
हुण्डी तारी भक्त की भगवन, ऐसी कला रचाई,
नरसी भक्त के मन से फिर, आवाज यही थी आई,
*पूछना है तो पुछलो तुम, चंचल दीवाने से,,,
(*सबको देती है मईया, अपने ख़ज़ाने से)
किसी को किसी बहाने से, xll -ll
*सबको देती है मईया, अपने ख़ज़ाने से ।
किसी को किसी बहाने से, xll -ll
आप[लोडर- अनिलरामूर्तिभोपाल

https://bhajanganga.com/bhajan/lyrics/id/20748/title/sab-ko-deti-hai-maiya

अपने Android मोबाइल पर BhajanGanga App डाउनलोड करें और भजनों का आनंद ले |